जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 19 प्रभात जालोर, रविवार 27 अप्रैल, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सुरक्षा विशेषज्ञों की राय में, अभी भारत-पाक युद्ध की संभावना नहीं है

उनकी इस राय का आधार यह तथ्य है, कि दोनों देशों में सेना का वह ''मोबिलाइज़ेशन'' (भारी गतिविधि) नहीं दिख रहा, जो युद्ध के पहले देखा जाता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम की हाल ही की तनाव की घटनाओं और ''लाइन ऑफ कन्ट्रोल (एलओसी)'' पर चल रहे तनाव के बावजूद, आतंकवाद एवं सुरक्षा मामलों के प्रमुख विशेषज्ञों ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच किसी बड़े युद्ध की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने जोर देते हुये कहा है कि स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन आशा की जाती है कि आगामी दिनों में स्थितियाँ स्थिर हो जायेंगी।

मीडिया से बात करते हुये, जाने-माने आतंकवाद -विश्लेषक अजय साहनी ने दावे के साथ कहा कि ऐसी संभावना नहीं है कि पाकिस्तान संघर्ष को और बढ़ायेगा। साहनी ने कहा, ''पाकिस्तान भारत के साथ सैन्य टकराव को कायम रखने की स्थिति में नहीं है। उसकी कमज़ोर आर्थिक स्थिति और घरेलू राजनैतिक चुनौतियों के

- पर, इन्टैलिजैन्स एजेंसियों का मानना है कि कुछ समय के लिये आतंकवादी हरकतें, जैसे सीमा पर घुसपैठ आदि, की संख्या बढ़ने की जरुर आशंका है। पर अभी तक भारत के सुरक्षा बल ने सख्ती से इन पर कंट्रोल कर लिया है।
- इस संदर्भ में रिटायर्ड ले.जनरल राकेश शर्मा के अनुसार, स्थानीय स्तर पर घुसपैठ के प्रयास कोई अनहोनी बात नहीं है, पर अभी तक दोनों तरफ से प्रतिक्रिया संयम बरतने की है, न कि ''टैन्शन'' (तनाव) को बढ़ाने की।
- गिरती आर्थिक स्थिति, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अकेला पड़ने की संभावना व देश के अन्दर अस्थिरता की स्थिति के कारण, पाकिस्तान लम्बी लड़ाई लड़ने की स्थिति में नहीं है और भारत के विदेश मंत्रालय के इस वक्तव्य से, कि भारत का विश्वास इस पूरे क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाये रखने में है, आनन-फानन में युद्ध होने की संभावना क्षीण लगती है।

चलते, ऐसी आशा की जा रही है कि पाकिस्तान दुश्मनी को बढ़ाने के बजाय, अपने कदम पीछे हटायेगा।'' उन्होंने आगे कहा कि दोनों ही देश मौजूदा भू-राजनैतिक स्थिति में, किसी बड़े युद्ध के भयंकर परिणामों को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।

तनाव में हाल ही हुई जबरदस्त वृद्धि की शुरुआत के पीछे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुई उग्रवादी गतिविधि तथा सीमा पर हुये युद्ध-विराम के उल्लंघन की विभिन्न घटनाएं हैं। भारतीय सुरक्षा बलों ने सीमा पर हुये युद्ध विराम -उल्लंघनों का जवाब पूरी तत्परता एवं दृढ़ता से दिया है तथा यह सुनिश्चित किया है कि घुसपैठ या उत्तेजना पैदा करने वाली कोशिशों का जवाब असरदार तरीके से दिया जाये। लेकिन रक्षा अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि हमारा जवाब संयत एवं संतुलित रहता है ताकि तनाव में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट के 1996 के दिशा निर्देशों की पालना करें'

जयपुर, 26 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि आपराधिक मामले में व्यक्ति की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से साल 1996 में दिए दिशा-निर्देशों की कड़ाई से पालना की जाए। इसके साथ ही आयोग ने इस आदेश की पालना के लिए आदेश की कॉपी मुख्य सचिव, डीजीपी, एसीएस गृह और दौसा कलेक्टर व एसपी को भेजी है। इसके साथ ही आयोग ने एक

- सूर्योदय से पूर्व महिला पुलिस कर्मियों की गैर-मौजूदगी में महिलाओं को गिरफ्तार करने में तत्कालीन सैंथल थानाधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिये कहा।

प्रकरण में परिवादी के परिजनों से मारपीट करने और महिला पुलिसकर्मी की गैरमौजूदगी में महिलाओं को सूर्योदय से पूर्व गिरफ्तार करने के दोषी तत्कालीन सैंथल थानाधिकारी एसआई अजीत बडसरा और कांस्टेबल धर्मसिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है। आयोग सदस्य आरसी झाला ने यह आदेश विजेन्द्र की ओर से पेश परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में विजेन्द्र सिंह ने कहा कि सैंथल में पट्टाशुदा जमीन खरीद कर उस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को चीन से सबक लेना पड़ेगा, पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने के लिये

चीन दशकों से यह काम कर रहा है, ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को भारत में प्रवेश करने से पहले ही ऊपर ही रोक कर अपने मैदान व फार्म लैण्ड्स तक पहुंचाने के लिये

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पानी में भी आग लग सकती है, वो भी बड़ी आसानी से। जब बात सिंधू नदी के जल की होती है, तो हम देख सकते हैं कि यह कितना ज्वलनशील हो सकता है - फिलहाल तो शब्दों में ही सही पर इसमें आग लगी हुई है।

यह एक व्यापक संघर्ष, यहां तक कि एक सशस्त्र युद्ध की चिंगारी भी बन सकता है। लेकिन कुछ सोचने योग्य बातें भी हैं। जहां तक सिंधू जल संधि की बात है, उसे अस्थायी रूप से निलंबित करना एक राजनैतिक दृष्टि से फायदेमंद हो सकता है। इसे वास्तव में लागू करना मुश्किल हो सकता है। और यहीं से इस कहानी की असली चुनौती शुरू होती है।

यदि इस संधि को दरकिनार कर दिया जाए और जल का प्रवाह बदला जाए, तो यह पाकिस्तान की जीवन रेखा को काटने जैसा होगा। वह देश पूरी तरह से इन नदियों के जल पर निर्भर है।

लेकिन यह फैसला पाकिस्तान को तभी कष्ट पहुंचा सकेगा, जब वास्तव में

- भारत व बांगलादेश की इस बारे में सभी आपत्तियों को चीन लगातार नज़र अन्दाज़ करता आ रहा है।
- भारी मेहनत, धन व तकनीकी क्षमता का उपयोग कर चीन अब दशकों बाद अपने इस प्रयास में कुछ सफलता प्राप्त करता दिख रहा है।
- पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिये, भारत ने कभी सोचा ही नहीं था, अब तक, अतः भारत के पास आधारभूत ढांचा (बांध, स्टोरेज टैंक, नहरों का जाल नहीं है, पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोकने के लिये।
- तो क्या, पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने की धमकी केवल धमकी तक ही सीमित रह जायेगी, या भारत तकनीकी क्षमता झोंक कर, पर्याप्त पैसा लगाकर यह क्षमता विकसित कर लेगा, जिससे इस पानी को पाकिस्तान जाने से रोका जाए और इसका उपयोग उत्तर भारत के गांव व शहरों के घरों में पेय जल उपलब्ध कराने व खेतों में सिंचाई के लिए किया जाए।

भारत से पाकिस्तान की ओर जाने वाले जल का प्रवाह रोका जाए। इसका अर्थ है कि भारत को इस लक्ष्य को पाने के लिए ठोस आधारबूत संरचना और उपकरणों की ज़रूरत होगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेल अधिकारियों ने कश्मीर में नए रेल प्रोजैक्ट्स का सुरक्षा की दृष्टि से पुनः मुआयना शुरु किया

इन नए प्रोजैक्ट्स में शमिल है भारत का सबसे बड़ा 12.77 किलोमीटर टनल (सुरंग), विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे पुल। इस क्षेत्र का 87 प्रतिशत हिस्सा सुरंग से ही तय किया जा सकता है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। पहलगाम हमले के बाद, कश्मीर में कटरा-श्रीनगर रेल-लाइन पर कॉमर्शियल ऑपरेशन शुरू करने को लेकर अधिकारियों में अनिश्चितता व्याप्त हो गई है, क्योंकि ऊधमपुर श्रीनगर बारामुला रेल लिंक परियोजना के तहत सुरक्षा उपायों को सख्त किया गया है।

- मुआयने के बाद आर.पी.एफ., जी.आर.पी., तथा राज्य की पुलिस के जवान, जो यहां तैनात हैं, को हिदायत दी गई है कि इन नई रेलवे लाइन्स पर सुरक्षा की दृष्टि से हर घंटे अपना ''इनपुट'' आपस में साझा करें।
- इन सुरंगों पर लगे सी.सी.टी.वी. फुटेज को मॉनिटर करने के लिये नए सेन्टर बनाये व सक्रिय किये गये हैं।

कटरा-संगलदन रेल लाइन, जो कटरा से कश्मीर घाटी तक रेल लिंक को पूरा करेगी, अब तैयार है और रेल सुरक्षा आयुक्त (कमिश्नर ऑफ रेल सिक्युरिटी) ने कॉमर्शियल ऑपरेशन्स शुरू करने की मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 19 अप्रैल को रेल लिंक का उद्घाटन करना था, लेकिन उद्घाटन की तिथि को कथित तौर पर खराब मौसम के कारण स्थगित कर दिया गया।

पहलगाम हमले के बाद के तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए, रेलवे और सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीमों ने क्षेत्र में सुरक्षा खतरों का पुनः आकलन करने की प्रक्रिया शुरू की है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने बुधवार को कुछ सुरंगों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढ ांचों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पी.डब्ल्यू.डी. प्रमुख सचिव व मुख्य अभियंता को अवमानना नोटिस जारी

जयपुर, 26 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारी को वेतन वृद्धि और अन्य सेवा परिलाभ नहीं देने पर पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रमुख सचिव व मुख्य अभियंता सहित अन्य अफसरों को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी

- हाईकोर्ट ने 30 जून को रिटायर हुए कर्मचारी को वेतनवृद्धि व अन्य लाभ नहीं देने पर ये आदेश दिये।

ने यह आदेश भूरसिंह की अवमानना याचिका पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि राज्य सरकार ने रिवाइज़ वेतन स्केल नियम 2008 व 2017 के तहत प्रदेश के सभी अफसरों व कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि में समानता लाने के लिए सालाना वेतन बढ ोतरी के लिए एक जुलाई की तारीख तय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी ''इन्सैन्टिव'' देने के बावजूद विदेशी मुद्रा व कम्पनियों का पलायन रुक नहीं रहा चीन से

''फॉरन डाइरैक्ट इन्वेस्टमेंट'' (विदेशी पूंजी निवेश) गत वर्ष की तुलना में 27.1 प्रतिशत कम हुआ

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अप्रेल। बीजिंग द्वारा विदेशी पूंजी को फिर से आकर्षित करने के आक्रामक प्रयासों के बावजूद, अमेरिकी कंपनियाँ पीछे हट रही हैं, और भारत जैसे बाजारों की ओर रुख कर रही हैं, जहाँ राजनीतिक स्थिरता और बढ़ता उपभोक्ता वर्ग उन्हें अधिक सुरक्षित और लाभकारी भविष्य के लिए आश्वस्त करता है।

भारत एक प्रमुख विकल्प बनकर उभर रहा है, खासकर निर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। इसकी अंग्रेजी बोलने वाली बड़ी आबादी, बेहतर हो रहा बुनियादी ढाँचा, और सरकार की पीएलआई योजनाओं जैसी प्रोत्साहन नीतियाँ, एप्पल, गूगल और टेस्ला जैसी

- ये कम्पनियां भारत के अलावा वियतनाम, मैक्सिको, फिलिपीन्स, मलेशिया, थाइलैंड, पोलैण्ड, व चैक गणराज्य को वैकल्पिक ''लोकेशन'' के रुप में देख रही हैं, अपने नए उद्योग व पूंजी लगाने के लिये।

बड़ी कम्पनियों के सप्लायर्स को आकर्षित कर रही हैं।

अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन चाइना (एम चैम चाइना) की एक कड़ी चेतावनी दर्शाती है कि राजनीतिक बाधाएं, नियामक अनिश्चितता और व्यापारिक टकराव उन फायदों से भारी पड़ रहे हैं, जिनके कारण कभी चीन दुनिया के सबसे आकर्षक बाजारों में से एक था। यूएस-चीन के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में बीजिंग की 20-बिंदु की निवेश योजना भी कंपनियों की आशंकाओं को कम करन में असफल रही है।

एम चैम चाइना के 2025 का श्वेतपत्र जारी करते हुए चैम्बर के अध्यक्ष माइकल हार्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा: ''हमारी कंपनियाँ केवल दोनों देशों के बीच के राजनीतिक जोखिमों को लेकर ही चिंतित नहीं हैं, बल्कि व्यापारिक अवरोधों और चीन में निवेश को लेकर अनिश्चितताओं को लेकर भी परेशान हैं।'' यह रिपोर्ट 350 से अधिक अमेरिकी कंपनियों का सर्वे कर बनाई जाती है।

बिगड़ते यूएस-चीन संबंध लगातार पांचवे वर्ष व्यापारिक चिंताओं की सूची में शीर्ष पर रहे, जिसमें 63 प्रतिशत प्रतिभागियों ने भू-राजनीतिक तनाव को उनके काम करने में सबसे बड़ी चुनौती बताया। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब दोनों देशों के बीच संबंध और अधिक कटु हो गए हैं, विशेषकर तीव्र टैरिफ युद्ध के कारण। वर्ष 2024 के अंत से वॉशिंगटन और बीजिंग ने एक-दूसरे के उत्पादों पर शुल्क दोगुने से भी अधिक टैरिफ लगा दिया है, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर दबाव और बढ़ गया है।

हालांक हार्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पर्दे के पीछे दोनों देश नुकसान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मस्जिद पर पोस्टर विवाद : जौहरी बाजार में दुकानें बंद कराने वालों को पुलिस ने खदेड़ा

जौहरी बाजार में शुक्रवार देर रात हुए विवाद के बाद शनिवार शाम को कुछ लोग जौहरी बाजार में जबरन दुकानें बंद कराने लगे, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ दिया।

विधायक बाल मुकुंद आचार्य के खिलाफ दर्ज मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी

जयपुर, 26 अप्रैल। जौहरी बाजार में शुक्रवार देर रात हुआ पोस्टर लगाने का विवाद शनिवार की शाम उस समय और बिगड गया जब कुछ लोग जौहरी बाजार में प्रदर्शन के नाम पर जबरन दुकानें बंद कराने लगे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जबरन दुकानें बंद करवाले वालों को समझाया। प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और दुकानें खुलवाईं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही यातायात को चालू करवाया गया। इसके साथ ही पुलिस ने जगह-जगह फ्लैग मार्च कर शांति बनाए रखने की अपील की। विवाद को लेकर माणक चौक थाने में हवामहल विधायक बालमुकदांचार्य खिलाफ दर्ज मामले की जांच सीआईडी सीबी को सौंपी गई है।

जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि नारेबाजी करने के बाद उपजे विवाद के कारण इलाके में पुलिस और सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। शांति व्यवस्था कायम है। इलाके में एसटीएफ के अलावा भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस के अधिकारी लगातार गश्त कर स्थिति पर निगरानी कर रहे हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त, माणकचौक पीयूष कविया ने बताया कि इलाके में शांति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर पुलिस व सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। प्रशासन लगातार हालात पर नज़र रखे हुए है और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की गई है। जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़ और आसपास के इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

- पुलिस ने जगह-जगह फ्लैग मार्च कर शांति बनाये रखने की अपील की।
- सुरक्षा बलों की तैनाती के बाद शांति व्यवस्था कायम हुई। पुलिस अधिकारी लगातार गश्त लगाकर स्थिति पर निगरानी रख रहे हैं।

गौरतलब है कि शुक्रवार देर रात पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में विधायक बालमुकुंद आचार्य अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन के लिए बड़ी चौपड़ पहुंचे। यहां 'जय श्री राम' के नारे लगे और कई दीवारों पर पोस्टर चिपकाए गए। प्रदर्शनकारियों का काफिला जब जामा मस्जिद के सामने पहुंचा तो विवाद हो गया।

आरोप है कि विधायक आचार्य ने मस्जिद की सीढ़ि यों पर 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' लिखे पोस्टर खुद चिपकाए और उन पर पैर भी रखा। उस वक्त मस्जिद के अंदर रात की नमाज चल रही थी, जिससे वहां मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के बाहर जमा हो गए और विधायक के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। मस्जिद प्रशासन की शिकायत पर विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ जयपुर के माणक चौक थाने में धार्मिक भावनाएं आहत करने, धार्मिक स्थल के सम्मान का उल्लंघन करने और शांति भंग करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि रात करीब 10 बजे एक पक्ष के लोग इकट्ठा होना शुरू हुए। बड़ी चौपड़ के पास नारेबाजी कर पोस्टर लगाकर विरोध जताने लगे। इस दौरान अन्य लोग भी एकत्रित हो गए। देखते ही देखते दोनों में विवाद हो गया।

इस पूरे प्रकरण को लेकर शनिवार को जामा मस्जिद कमेटी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पहलगाम हमले की कडे शब्दों में निंदा करते हैं। इस तरह का कायराना कृत्य करने वालों को कतई भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन शुक्रवार रात को हवामहल विधायक ने मस्जिद में जिस तरह से नारेबाजी और पोस्टर लगाए हैं वह सरासर गलत है। इस प्रेस वार्ता के दौरान मुस्लिम समाज के कई संगठनों के पदाधिकारी, विधायक अमीन कागजी और आदर्श नगर विधायक रफीक खान भी मौजूद रहे। इस दौरान मस्जिद के अंदर और बाहर बड़ी तादाद में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद थे। एहतियात के तौर मस्जिद के बाहर पुलिस बल भी तैनात किया गया।

राजस्थान मुस्लिम फोरम महासचिव नाजीमुद्दीन ने कहा कि विधायक को इलाके के विकास पर काम करना चाहिए। इस तरह से धर्म विशेष के लोगों को टारगैट करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)